

सूर्यप्रज्ञप्ति चन्द्रप्रज्ञप्ति (फोल्डर नं. ००१२२६)

मुख्य टाईटल

प्रकाशकीय

सम्पादकीय

प्रस्तावना

विषयानुक्रम

सूर्यप्रज्ञप्ति-चंद्रप्रज्ञप्ति

प्रथम प्राभृत

प्रथम प्राभृतप्राभृत

वीरत्थुई -----	३
पंचपयवंदणं ओइसरायपण्णत्तिप्ररूवणपइण्णा य -----	३
पाहुडाणं विसयपरूवणं -----	४
पढमपाहुडगय अट्टपाहुडपाहुडसुत्ताणं विसयपरूवणं -----	४
पढमपाहुडस्स पडिवत्तिसंखा-----	४
बित्तिपाहुडस्स विसयपरूवणं -----	४
बित्तिपडिवत्तिसंखा-----	४
दसमे पाहुडे बावीसं पाहुडपाहुडाणं विसयपरूवणं-----	५
मासस्स मुहुत्ताणं वद्धीऽवद्धी -----	५
सव्वसूरमंडलमग्गे सूरस्स गमणागमणे राइंदियप्पमाणं -----	६
सूरमंडलेसु सूरस्स सइं दुक्खुत्तो वा चारं -----	६
आइच्चसंवच्छरे अहोरत्तप्पमाणं -----	६
उपसंहारसुत्तं-----	८

द्वितीय प्राभृतप्राभृत

सूरस्स दाहिणा अद्धमंडलसंठिई -----	९
सूरस्स उत्तरा अद्धमंडलसंठिई-----	१०

तृतीय प्राभृतप्राभृत

सूरियाणं संचरण-खेतं -----	१३
---------------------------	----

चतुर्थ प्राभृतप्राभृत

सूरियाणं अण्णमण्णस्स अंतरचारं -----	१५
-------------------------------------	----

पंचम प्राभृतप्राभृत

सूरस्स दीवसमुद्ध-अवगाहणाणंतरं चारं-----	१८
---	----

षष्ठ प्राभृतप्राभृत

सूरस्स एगमेगे राइंदिए मंडलाओ मंडलसंकमणखेतचारं -----	२१
---	----

सप्तम प्राभृतप्राभृत

चंद-सूरमंडल-संठिई-----	२४
अष्टम प्राभृतप्राभृत	
सूरस्स सव्वमंडलाणं बाहल्लं आयाम-विक्खंभ-परिक्खेवं च-----	२५
सव्वसूरहमंडलाणं बाहल्लं अंतरं अद्वापमाणं च-----	२८
द्वितीय प्राभृत	
प्रथम प्राभृतप्राभृत	
सूराणं तेरिच्छगई-----	३०
द्वितीय प्राभृतप्राभृत	
सूरस्स मंडलाओ मंडलान्तरसंकमणं-----	३२
तृतीय प्राभृतप्राभृत	
सूरस्स मुहुत्तगइपमाणं-----	३३
तृतीय प्राभृत	
चंदिम-सूरियाणं ओभासखेत्तं उज्जोयखेत्तं पगासखेत्तं च-----	३८
चतुर्थ प्राभृत	
सेयाते संठिई-----	४१
चंदिम-सूरियसंठिई-----	४१
सूरियस्स तावक्खेत्तसंठिती-----	४३
तावक्खेत्तसंठिइए बाहाओ-----	४४
पंचम प्राभृत	
सूरियस्स लेस्सापडिघायगा पव्वता-----	४८
षष्ठ प्राभृत	
सूरियस्स ओयसंठिई-----	५१
सप्तम प्राभृत	
सूरिएण पगासिया पव्वया-----	५६
अष्टम प्राभृत	
सूरस्स उदयसंठिई-----	५७
वासा उउ-----	६३
हेमंत उउ-----	६३
गिम्ह उउ-----	६४
अयणाइ-----	६४
उस्सप्पिणी-ओसप्पिणी-----	६५
लवणसमुद्धो-----	६५
धायइसंडो-----	६५
अब्भंतरपुक्खरद्धो-----	६६
नवम प्राभृत	

पोरिसिच्छायनिव्वतणं-----	६७
पोरिसिनिव्वतणं-----	६७
पोरिसिपमाणं -----	७१
दशम प्राभृत	
प्रथम प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं आवलिया-णिवायजोगो य-----	७४
द्वितीय प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं चंदेण जोगकालो-----	७५
णक्खत्ताणं सूरेण जोगकालो-----	७६
तृतीय प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं पुव्वाइभागा खेत-कालप्पमाणं च-----	७७
चतुर्थ प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं चंदेण जोगारंभकालो -----	७८
पंचम प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं कुलोवकुलाइं-----	८५
षष्ठ प्राभृतप्राभृत	
दुवालसासु पुण्णमासिणीसु कुलाइ-णक्खत्त-जोगसंखा-----	८७
दुवालसासु अमावासासु णक्खत्तजोगसंखा-----	९०
दुवालसासु अमावासासु कुलाइ-णक्खत्त-जोगसंखा-----	९१
सप्तम प्राभृतप्राभृत	
दुवालस पुण्णिमासु अमावासासु य चंदेण-णक्खत्तसंजोगो -----	९४
अष्टम प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं संटाणं -----	९५
नवम प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं तारग्गसंखा -----	९८
दशम प्राभृतप्राभृत	
वास-हेमंत-गिम्ह-राइंदियाणं -----	१०३
ग्यारहवां प्राभृतप्राभृत	
चंदमगो णक्खत्तजोगसंखा -----	१०७
रवि-ससि-णक्खत्तेहिं अविरहियाणं, विरहियाणं सामण्णाण य चंदमंडलाणं संखा-----	१०८
बारहवां प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं देवया -----	११०
तेरहवां प्राभृतप्राभृत	
मुहुत्ताणं णामाइं-----	११३
चौदहवां प्राभृतप्राभृत	

दिवसराईणं णामाइं-----	११४
पन्द्रहवां प्राभृतप्राभृत	
तिहीणं णामाइं-----	११५
सोलहवां प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं गोत्ता-----	११६
सत्तरहवां प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं भोयणं कज्जसिद्धी य-----	११९
अठारहवां प्राभृतप्राभृत	
एगे जुगे आदिच्च-चंदचारसंखा-----	१२१
उन्नीसवां प्राभृतप्राभृत	
एगसंवच्छरस्स मासा-----	१२२
बीसवां प्राभृतप्राभृत	
संवच्छराणं संखा लक्खणं च-----	१२३
लक्खणसंवच्छरस्स भेया-----	१२४
इक्कीसवां प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं दाराइं-----	१२५
बावीसवां प्राभृतप्राभृत	
णक्खत्ताणं सरूवपरूवणं-----	१२८
णक्खत्तमंडलाणं सीमाविकखंभो-----	१३०
णक्खत्ताणं चंदेण जोगो-----	१३१
चंदस्स पुण्णिमासिणीसु जोगो-----	१३२
सूरस्स पुण्णिमासिणीसु जोगो-----	१३३
चंदस्स अमावासासु जोगो-----	१३४
सूरस्स अमावासासु जोगो-----	१३५
पुण्णिमासिणिंसु चंदस्स य सूरस्स य णक्खत्ताणं जोगो-----	१३६
अमावासासु चंदस्स य सूरस्स य णक्खत्ताणं जोगो-----	१३७
चंदेण च सूरेण य णक्खत्ताणं जोगकालो-----	१३८
चंद-सूर-गह-णक्खत्ताणं गइसमावण्णत्तं-----	१३९
चंद-सूर-गह-णक्खत्ताणं जोगो-----	१३९
ग्यारहवां प्राभृत	
पंचण्हं संवच्छराणं पारंभ-पज्जवसाणकालं, चंद-सूराण-णक्खत्तसंजोगकालो च-----	१४१
पढमं चंदसंवच्छरं-----	१४१
बित्तिं चंदसंवच्छरं-----	१४१
तत्तिं अभिवड्ढियं संवच्छरं-----	१४२
चउत्थं चंदसंवच्छरं-----	१४२

पंचमं अभिविद्धयं संवच्छरं-----	१४३
बारहवां प्राभृत	
पंचणहं संवच्छराणं मासाणं च राइंदियमुहुत्तप्पमाणं-----	१४४
पढमं णक्खत्तसंवच्छरं-----	१४४
बित्थियं चंदसंवच्छरं-----	१४४
तत्थियं उडुसंवच्छरं-----	१४५
चउत्थं आइच्चसंवच्छरं-----	१४५
पंचमं अभिविद्धयसंवच्छरं-----	१४६
एगस्स जुगस्स अहोरत्त-मुहुत्तप्पमाणं-----	१४६
पंचणहं संवच्छराणं पारंभ-पज्जवसाणकालस्स-समत्तपरूवणं-----	१४७
उडूणं णामाइं कालप्पमाणं च-----	१४८
अवम-अइरित्तरत्ताणं संखा हेऊ च-----	१४८
वासिक्कियासु आउट्टियासु चंदेण सूरेण य णक्खत्तजोगकालो-----	१४९
हेमंतियासु आवट्टियासु चंदेण सूरेण य णक्खत्तजोगकालो-----	१५०
जोगाणं चंदेण सद्धिं जोग-परूवणं-----	१५१
तेरहवां प्राभृत	
चंदमसो वड्ढोऽवड्ढी-----	१५२
एगयुगे पुण्णिमासिणीओ अमावासाओ-----	१५२
चंदाइच्च अद्धमासे चंदाइच्चाणं मंडलचारं-----	१५३
पढमे चंदायणे-----	१५३
दोच्चे चंदायणे-----	१५४
तच्चे चंदायणे-----	१५५
चौदहवां प्राभृत	
दोसिणा अंधयारस्स य बहुत्तकारणं-----	१५७
पन्द्रहवां प्राभृत	
चंद-सूर-गह-णक्खत्त-ताराणं गइपरूवणं-----	१५८
चंद-सूर-णक्खत्ताणं विसेसगइपरूवणं-----	१५९
चंदस्स णक्खत्ताण य जोगगइपरूवणं-----	१५९
चंदस्स गहाण य जोग-गइकालपरूवणं-----	१५९
सूरस्स णक्खत्ताण य जोग-गइकालपरूवणं-----	१६०
सूरस्स गहाण य जोग-गइकालपरूवणं-----	१६०
णक्खत्तमासे चंदस्स सूरस्स णक्खत्तस्स य मंडलचारं-----	१६०
चंदमासे चंदस्स सूरस्स णक्खत्तस्स य मंडलचारं-----	१६०
उडुमासे चंदस्स सूरस्स णक्खत्तमास्स य मंडलचारं-----	१६१
आइच्चमासे चंदस्स सूरस्स णक्खत्तस्स य मंडलचारं-----	१६१

अभिविडिद्यमासे चंदस्स सूरस्स णक्खत्तस्स य मंडलचारं -----	१६१
एगमेगे अहोरत्ते चंद-सूर-णक्खत्ताणं मंडलचारं -----	१६१
एगमेगे मंडले चंद-सूर-णक्खत्ताणं अहोरत्ते चारं-----	१६२
एगमेगजुगे चंद-सूर-णक्खत्ताणं मंडल चारं-----	१६२
सोलहवां प्राभृत	
दोसिणाइयाणं लक्खणा-----	१६३
सत्तरहवां प्राभृत	
चंद-सूरियाणं चवणोववाया -----	१६४
अठारहवां प्राभृत	
चंदाइच्चाईणं भूमिभागाओ उड्ढत्तं-----	१६७
ताराणं अणुत्ते तुल्लत्ते कारणाइं -----	१६८
चंदस्स गह-णक्खत्त-ताराणं परिवारो-----	१६९
मंदरपव्वयाओ जोइसचारं-----	१७०
लोअंताओ जोइसठाणं-----	१७०
णक्खत्ताणं अब्भंतराइं चारं-----	१७०
चंद-सूर-गह-णक्खत्तविमाणणं संठाणाइं-----	१७१
चंद-सूर-गह-णक्खत्त-तारा-विमाणणं आयाम-विक्खंभ-परिक्खेव-बाहिल्लाइं -----	१७२
चंद-सूर-गह-णक्खत्त-ताराणं विमाणपरिवहणं-----	१७३
जोइसियाणं सिग्ध-मंदगइपरूवणं -----	१७७
जोइसियाणं अप्प-महिडिडपरूवणं-----	१७७
ताराणं अबाहा अंतरपरूवणं -----	१७७
चंदस्स अग्गमहिसीओ देवीपरिवार विउव्वणा य-----	१७८
सूरस्स अग्गमहिसीओ देवीपरिवार विउव्वणा य-----	१७९
जोइसियाणं देवाणं ठिई -----	१७९
जोइसियाणं अप्पबहुत्तं -----	१८०
उन्नीसवां प्राभृत	
चंद-सूर-गह-णक्खत्त-ताराणं परिमाणं-----	१८१
जम्बुद्धीवो-जंबुद्धीवे जोइसियपरिमाणं-----	१८२
लवणसमुद्धो-----	१८२
धायईसंडदीवे-----	१८३
कालोए समुद्धे-----	१८४
पुक्खरवरदीवे -----	१८६
माणुसुत्तरे पव्वए -----	१८७
अब्भितर-पुक्खरद्धे-----	१८७
समयक्खेत्ते-----	१८८

अंतोमणुस्सखेत्ते जोइसियाणं उड्ढोववण्णगाइपरूवणं-----	१९२
पुव्वइंदस्स चवणाणंतरं अण्णइंदस्स उववज्जणं-----	१९३
माणुसखेत्तस्स बहिया जोइसियाणं उड्ढोववण्णगाइपरूवणं-----	१९३
सेसाणं दीव-समुद्धानं आयामाइ-----	१९३
बीसवां प्राभृत	
चंदिम-सूरियाणं अणुभावो-----	१९७
राहु-कम्मपरूवणं-----	१९८
राहुस्स णव णामाइं-----	१९९
राहुस्स विमाणा पंचवण्णा-----	१९९
राहुस्स दुविहत्तं-----	२००
चंदस्स ससी-अभिहाणं-----	२०१
सूरस्स आइच्चाभिहाणं-----	२०१
चंद-सूराई णं काम-भोगपरूवणं-----	२०१
अट्ठासीई महग्गहा-----	२०४
संगहणीगाहाओ-----	२०५
उवसंहारो-----	
सुयथविरपणीयं चंदपण्णत्तिसुत्तं-----	२०७
परिशिष्ट	
श्री सूर्य-चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र का गणितविभाग-----	२१०
सूर्यप्रज्ञप्तिसूत्र २० व २४ का परिशिष्ट-----	२३९